



भारत सरकार Government of India

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय / Ministry of Agriculture & Farmers Welfare
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग / Department of Agriculture & Farmers Welfare

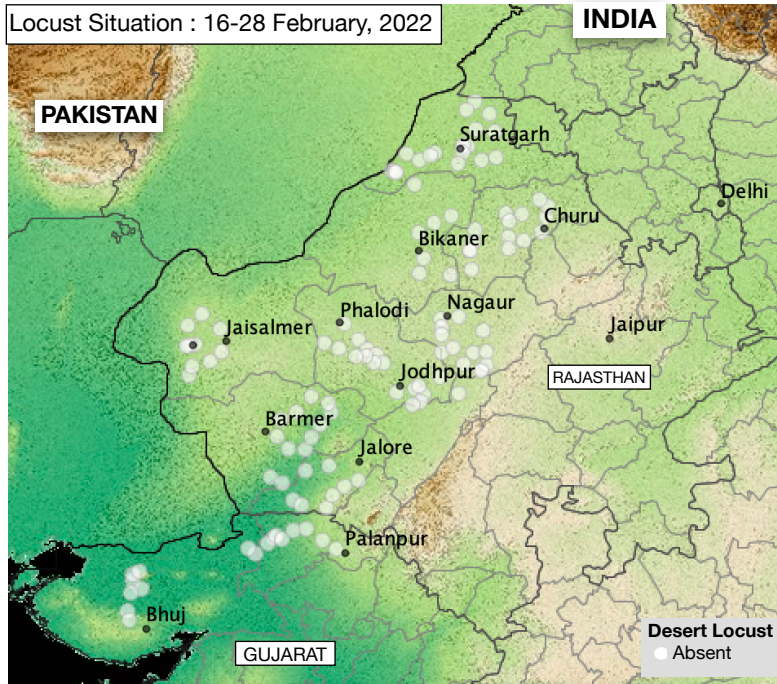
DESERT LOCUST SITUATION BULLETIN

Year 2022 / No. 04

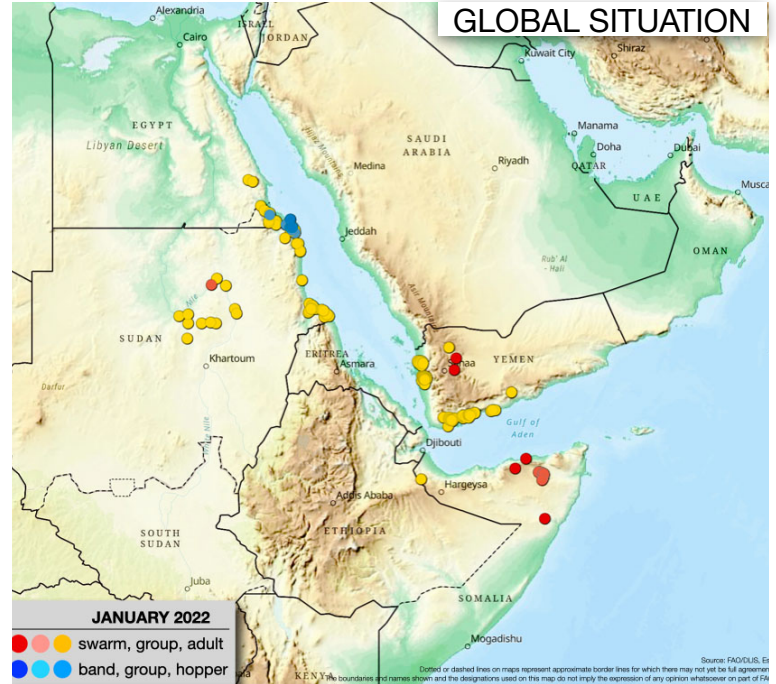
अवधि / Period 16-28 February, 2022

LOCUST SITUATION : During the routine survey, it has been observed that India is free from gregarious as well as solitary desert locust activities during the 2nd fortnight of February, 2022. Total 119 nos. of spots were observed during the surveys which are plotted on the map.

टिड्डी की गतिविधियाँ : फरवरी 2022 के द्वितीय पखवाड़े में भारत रेगिस्तानी टिड्डी की समूह एवं एकल गतिविधियों से मुक्त रहा है। इस अवधि में अनुसूचित रेगिस्तानी क्षेत्रों में नियमित सर्वेक्षण के दौरान कुल 119 स्थानों का अवलोकन किया गया जिन्हे मानचित्र पर चिन्हित किया गया है।



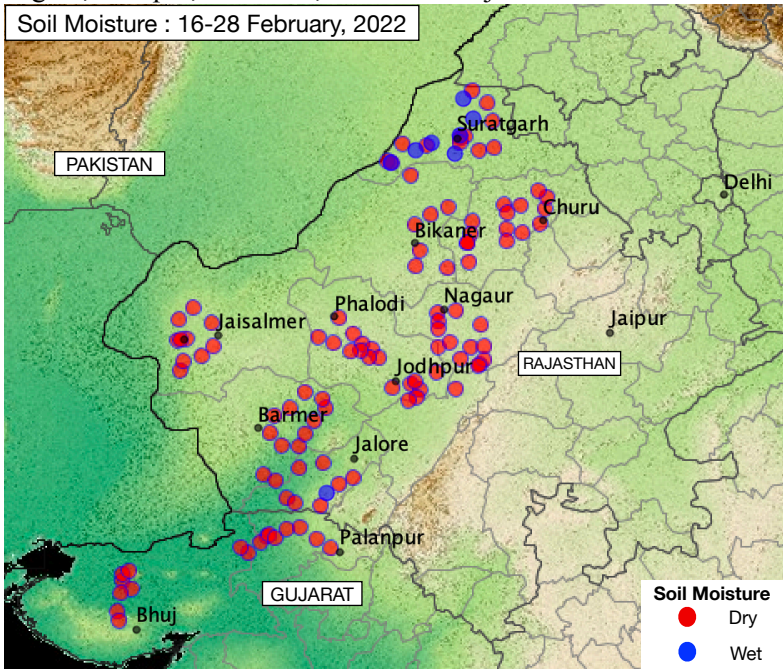
India is free from gregarious as well as solitary desert locust activities



Upsurge declines in the Horn of Africa. After more than two years, the current Desert Locust upsurge has finally declined.

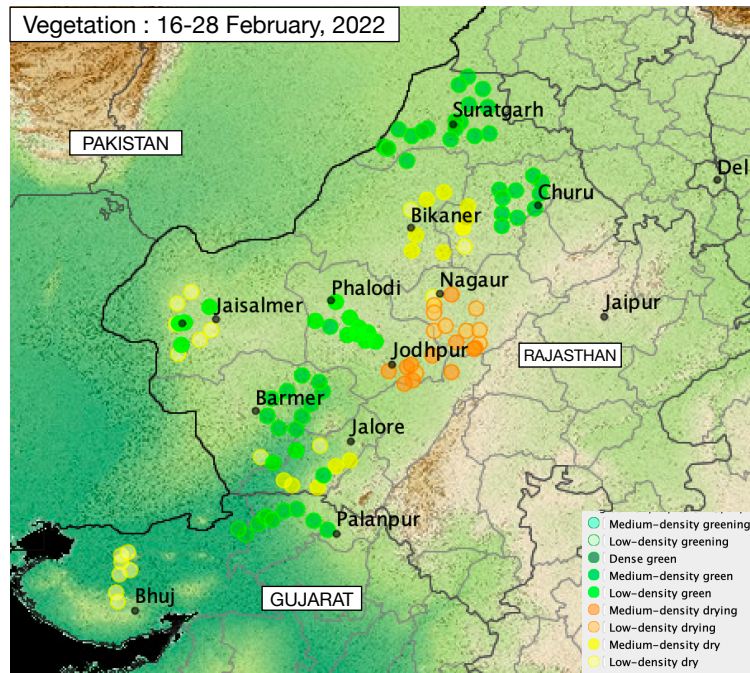
Swarm movement : Nil
Breeding : Nil
Hoppers : Nil
Scattered / Isolated adult/Adult Groups : Nil

WEATHER AND ECOLOGY : No rainfall observed during the reporting period. Soil moisture observed dry at all survey places except few spots in Suratgarh. Vegetation was found green at Suratgarh, Churu, Phalodi, Barmer, Palanpur and dry at Bikaner, Nagaur, Jodhpur, Jaisalmer, Jalore & Bhuj.



Soil moisture observed dry at all survey places except few spots in Suratgarh.

मौसम एवं परिस्थितिकी : रिपोर्टिंग अवधि के दौरान कहीं वर्षा नहीं देखी गई। सूरतगढ़ के कई स्थानों को छोड़कर शेष सभी सर्वे स्थानों में भूमि नमी रहित पायी गई। सूरतगढ़, चुरु, फलोदी, बाड़मेर, पालनपुर में वनस्पति हरी पाई गई जबकि बीकानेर, नागौर, जोधपुर, जैसलमेर, जालौर और भुज में इसे सूखा पाया गया।



Vegetation was found green at Suratgarh, Churu, Phalodi, Barmer, Palanpur and dry at Bikaner, Nagaur, Jodhpur, Jaisalmer, Jalore, Bhuj.

FAO Update (1 February): No locusts were seen in **Ethiopia** and **Kenya**, and southerly migration was not detected. Poor rains have limited winter breeding to a small area along both sides of the **Egypt/Sudan** border on the Red Sea coast. While small-scale breeding may occur during February on the coastal plains near the **Sudan/Eritrea** border and in a few places on the **Saudi Arabia** and **Yemen** coast. Small-scale breeding is likely to commence during February and March in the spring breeding areas of southeast **Iran** and southwest **Pakistan** where early rains fell in January, and south of the Atlas Mountains in **Morocco** where isolated adults are currently present.

South West Asia Commission (SWAC) : Situation is calm in Iran, Pakistan, India and Afghanistan.

FORECAST (India) : Ecological conditions are not favourable for DL breeding in India and as per FAO update there is no DL activity reported in SWAC region. Therefore, any migration/locust activity is not expected in coming fortnight, but surveys for close monitoring will be continued.

एफ. ए. ओ. अपडेट (1 फरवरी) : इथियोपिया और केन्या में कोई टिड्डियां नहीं देखी गईं और दक्षिणी देशांतर गमन उम्मीद नहीं है। कम बारिश ने लाल सागर तट पर **मिस्र/सूडान** सीमा के दोनों किनारों पर एक छोटे से क्षेत्र में सर्दियों के प्रजनन को सीमित कर दिया है। फरवरी के दौरान छोटे पैमाने पर **सूडान/इरिट्रिया** सीमा के पास तटीय मैदानों पर और सऊदी अरब और यमन तट पर कुछ स्थानों पर प्रजनन हो सकता है। दक्षिण-पूर्व **ईरान** और दक्षिण-पश्चिम **पाकिस्तान** के वसंत प्रजनन क्षेत्रों में फरवरी और मार्च के दौरान छोटे पैमाने पर प्रजनन शुरू होने की संभावना है, जहां जनवरी में शुरुआती बारिश हुई थी, और मोरक्को में एटलस पर्वत के दक्षिण में छितरे हुए वयस्क मौजूद हैं।

दक्षिण पश्चिम एशिया आयोग (एसडब्ल्यूएसी) : ईरान, पाकिस्तान, भारत और अफगानिस्तान में स्थिति शांत है।

पूर्वानुमान : भारत में टिड्डी प्रजनन के लिए पारिस्थितिक परिस्थितियाँ अनुकूल नहीं हैं एवं एफ. ए. ओ. अपडेट के अनुसार, एसडब्ल्यूएसी क्षेत्र में टिड्डी गतिविधि की कोई सूचना नहीं है। इसलिए, आने वाले पखवाड़े में टिड्डी की किसी प्रकार की गतिविधि/ देशांतर गमन की उम्मीद नहीं की जाती, लेकिन कड़ी निगरानी के लिए सर्वेक्षण जारी रहेगा।

Photographs taken by surveyors during Survey

